प्रतिदर्श प्रश्नपत्र–2023–24

कक्षा–12

विषय : सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट
पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।
ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड–क

1. (क) निम्न में से 'डायरी विधा' के लेखक हैं– 1
(i) सरदार पूर्णसिंह (ii) सदल मिश्र
(iii) शमशेर बहादुर सिंह (iv) 'साहित्य का मर्म'

(ख) 'निराला की साहित्य साधना' के लेखक हैं– 1
(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ii) महादेवी वर्मा,
(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iv) डॉ0 रामविलास शर्मा।

(ग) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा सम्पादित पत्रिका है– 1
(i) 'आनन्द कादम्बिनी' (ii) 'दिनमान'
(iii) 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' (iv) 'आजकल'

(घ) 'प्रेमचन्द' की कहानी का नाम है– 1
(i) 'कफन' (ii) 'गुण्डा'
(iii) 'रोज' (iv) 'चीफ की दावत'

(ङ) 'विद्यानिवास मिश्र' निबन्धकार हैं– 1
(i) ललित निबन्ध के, (ii) विचारात्मक निबन्ध के,
(iii) मनोवैज्ञानिक निबन्ध के, (iv) भावनात्मक निबन्ध के

2. (क) 'राम की शक्ति पूजा' कविता के रचयिता हैं– 1
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) मैथिलीशरण गप्त,
(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (iv) 'अज्ञेय'

(ख) निम्नलिखित में से 'दिनकर' की रचना है– 1
(i) 'शिला पंख चमकीले' (ii) 'परशुराम की प्रतीक्षा'
(iii) 'अन्धा–युग' (iv) 'अनामिका'

(ग) निम्नलिखित में से 'जयशंकर प्रसाद' की काव्यकृति है– 1
(i) 'कानन–कुसुम' (ii) 'प्रेमपथिक'

(iii) 'चित्राधार' (iv) 'इल्यलम्'

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'सोवियत लेण्ड नेहरू पुरस्कार' किस कृति पर मिला था? 1

(i) 'कला और बूढ़ा चाँद' (ii) 'लोकायतन'

(iii) 'चिदम्बरा' (iv) 'स्वर्ण–किरण'

(ङ) निम्नलिखित में से सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन का काव्य–संकलन है– 1

(i) 'लहर' (ii) 'उर्वशी'

(iii) 'गुंजन' (iv) 'हरी घास पर क्षण भर'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5×2 = 10

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अङ्ग है। पृथिवी हो और मनुष्य न हो तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है। पृथिवी और जन दोनों के समन्वय से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अथों में पृथिवी के पुत्र हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिये ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) राष्ट्र की कल्पना कब असम्भव है?

(iv) पृथिवी और जन दोनों मिलकर क्या बनाते हैं?

(v) पृथिवी कब मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो परन्तु है वह उस विशाल सामन्त सभ्यता को परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक जो साधारण प्रजा के परिश्रम पर पली थी। उसके रक्त संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों– करोड़ों की उपेक्षा से समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गए और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) सामन्त सभ्यता की परिष्कृत रुचि का प्रतीक कौन है?

(iv) लाखों–करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी?

(v) आज उस सामन्त सभ्यता की क्या स्थिति है?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5×2 = 10

निज जन्म–जन्म से सुने जीव यह मेरा –
धिक्कार ! उसे था महास्वार्थ ने घेरा –
सौ बार धन्य वह एक लाल की माई,
निज जननी ने है जना भरत–सा भाई ।
पागल सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई.

सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कैकेयी स्वयं को धिक्कारती हुई क्या कहती है?

(iv) कैकेयी के प्रायश्चित के उपरान्त श्रीराम उनसे क्या कहते हैं?

(v) प्रभु राम के साथ कैकेयी के अपराध का अपमार्जन करती हुई सभा क्या चिल्ला उठी?

अथवा

आज की दुनिया विचित्र नवीन,
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन ।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता–उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) आज के मनुष्य ने किस पर विजय प्राप्त कर ली है?

(iv) किसके हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता–उतरता है?

(v) ''है नहीं बाकी कहीं व्यवधान" से क्या आशय है?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी

(ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(iii) डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए ।

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: 5

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) 'आलोक–वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

अथवा 'आलोक–वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(vi) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

(खण्ड ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे ! पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्री बिनं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्व प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति मंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन राष्ट्रनायकस्य पञ्चशील सिद्धान्तमधिकृत्य एवाभवत।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती । 2+5=7
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।

अथवा

अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकण्यं गृहिणीं।
शिशोः कर्णौ यत्नात् सुपिहितवती दीनवदना।।
मयि क्षीणोपाये यदकृतं दृशावश्रुबहुले।
तदन्तः शल्यं मे त्वमसि पुनरुद्धमुचितः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1+1=2

(i) अंगूठा दिखाना
(ii) पहाड़ टूट पड़ना
(iii) धूल में मिलाना
(iv) पानी–पानी होना।

10. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश/पद्यांश को पढ़कर उससे सम्बद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखिए**– एक प्राचीन विद्वान का वचन है – विश्वासपात्र मित्र से बड़ी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाये उसे ऐसा समझना चाहिए कि खजाना मिल गया।' विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों से हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे तब हमें उत्साहित करेंगे। सारांश यह है कि वे हमें उत्तमतापूर्वक जीवन निर्वाह करने में हर तरह से सहायता देंगे। सच्ची मित्रता में उत्तम से उत्तम वैद्य की–सी निपुणता और परख होती है, अच्छी से अच्छी माता का–सा धैर्य और कोमलता होती है, ऐसी ही मित्रता करने का प्रयत्न प्रत्येक पुरुष को करना चाहिए।

(i) हमें अपने मित्रों से क्या आशा रखनी चाहिए? 2

(ii) लेखक ने सच्ची मित्रता की तुलना किससे की है? 2

(iii) विश्वासपात्र मित्र की तुलना किससे की गयी है? 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) कपट–कपाट 1

(क) कप और प्लेट (ख) किवाड़ और खिड़की
(ग) धोखा और दरवाजा (घ) पर्दा और किवाड़

(ii) पाथोज– पाथोद 1

(क) बादल और कमल (ख) कमल और बादल
(ग) कमल और तालाब (घ) तालाब और कमल

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

(i) अनन्त (ii) पतंग

(iii) खग (iv) दल।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए : 1

(i) जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता है–

(क) आस्तिक (ख) नास्तिक

(ग) अकृतज्ञ (घ) कृतज्ञ

(ii) पेट में लगने वाली आग– 1

(क) दावाग्नि (ख) बड़वाग्नि

(ग) जठराग्नि (घ) इनमें से कोई नहीं

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिएः 1+1=2

(i) केवल सौ रुपये मात्र की बात थी।।

(ii) हवा ठण्डी बह रही है।

(iii) मैं पानी पी लिया हूँ।

12. (क) हास्य रस अथवा वीर रस का स्थायी भाव के साथ परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ख) अनुप्रास अथवा रूपक अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) चौपाई अथवा सोरठा छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

11. समाचारपत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति प्रबन्धक को आवेदन–पत्र लिखिए। 1

अथवा

ऋण–प्राप्ति हेतु बैंक के शाखा प्रबन्धक को आवेदन–पत्र लिखिए। 1

12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए– 9

(i) राष्ट्रीय एकता वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता।

(ii) आतंकवाद की समस्या कारण और समाधान।

(iii) पर्यावरण–प्रदूषण और निराकरण के उपाय।

(iv) आधुनिक शिक्षा पद्धति की दिशा और दशा।